विषय : हिन्दी विशिष्ट **Set-C**

निर्देश : (i) सभी प्रश्न हल कीजिए।

(ii) प्रश्न क्रमांक 1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न **खण्ड-अ** तथा **खण्ड-ब** में विभक्त है। प्रत्येक खण्ड में 5 अंक निर्धारित हैं।

(iii) प्रश्न क्रमांक 2 से 7 तक अतिलघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में 2 अंक निर्धारित हैं।

(iv) प्रश्न क्रमांक 8 से 13 तक लघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में 3 अंक निर्धारित हैं।

(v) प्रश्न क्रमांक 14 से 19 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लगभग 75 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प दिया गया है। प्रत्येक प्रश्न में 4 अंक निर्धारित हैं।

(vi) प्रश्न क्रमांक 20 से 23 के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए। इनमें विकल्प दिया गया है। प्रत्येक प्रश्न में 5 अंक निर्धारित हैं।

(vii) प्रश्न क्रमांक 24 एवं 25 में 8-8 अंक निर्धारित हैं। प्रश्न क्रमांक 25 का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। इसमें विकल्प दिया गया है।

1. खण्ड (अ) उचित सम्बन्ध जोड़िए :

	(क)	(ख)
(i)	रस मीमांसा	तुलसीदास
(ii)	मगध का राजकुमार	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(iii)	करुण रस	सूरदास
(iv)	राममार्गी शाखा	शोक
(v)	साख्य भाव	अरुण

1. खण्ड (ब) सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) नभ गंगा का समानार्थी शब्द है :

(अ) कुसुम गंगा (ब) आकाश गंगा
(स) हर्ष गंगा (द) सुमन गंगा

(ii) कम्प्यूटर की आधारभूत इकाई है :

(अ) वाट (ब) किलोवाट
(स) बाइट (द) काइट

(iii) जिसके प्रत्येक चरण में 16 और 12 की यति पर कुल 28 मात्राएँ होती हैं, वह छंद है :

(अ) गीतिका (ब) हरिगीतिका
(स) उल्लाला (द) रोला

(iv) "नमक से रक्त बनता है, रक्त से नमक नहीं।" यह कथन किसने किससे कहा ?

(अ) पन्ना ने सामली से (ब) पन्ना ने सोना से
(स) पन्ना ने बनवीर से (द) पन्ना ने उदयसिंह से

(v) संत कंवरराम साहिब के गुरु थे :

(अ) स्वामी रामनंदजी (ब) स्वामी नरहरिदासजी
(स) हंसराजजी (द) संत रामदासजी

2. रूपक अलंकार की परिभाषा लिखिए।

3. निम्नलिखित शब्द समूहों के लिए एक शब्द लिखिए :

(i) जो स्वयं पर निर्भर हो (ii) जिसकी आयु कम हो

4. खण्ड काव्य की कोई **दो** विशेषताएँ लिखिए।

5. साहित्य के क्षेत्र में वर्ष 1913 में नोबल पुरस्कार किस साहित्यकार को उनकी कौन-सी कृति पर मिला ? लिखिए।

6. पंडवानी गायन की **दो** शैलियों के नाम लिखिए।

7. 'राम के बाल सौन्दर्य' पाठ के आधार पर बालक राम के नेत्र-सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

8. 'वर्षा सुन्दरी के प्रति' कविता में 'उच्छ्वासित' का क्या अर्थ है ? समझाइए।

9. पर्वत की विशालता को पंतजी ने किस प्रकार चित्रित किया है ? लिखिए।

10. कहानी और उपन्यास में कोई **तीन** अंतर लिखिए।

11. संत कबीरदास ने ऐसा क्यों कहा कि पैर के नीचे पड़े हुए तिनके की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए।

12. "चारों ओर जहरीले सर्प घूम रहे हैं।" इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

13. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कर लिखिए :

(i) माता-पिता विश्राम कर रहा है।

(ii) आपका दर्शन हुआ।

(iii) डाकू को मृत्युदण्ड की सजा मिली।

14. मजदूरों की दशा सुधारने के लिए लेखक उपाध्यायजी ने क्या-क्या उपाय सुझाए हैं ? कोई चार उपाय लिखिए।

अथवा

संसार के उत्कर्ष में मजदूरों का क्या-क्या योगदान है ? कोई **चार** योगदान लिखिए।

15. पन्ना धाय के चरित्र की कोई **चार** विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

अर्थशास्त्र का नोबल पुरस्कार किस भारतीय को मिला तथा पुरस्कार प्राप्त करने का आधार क्या था ?

16. उत्तर दिशा कहाँ है ? वह तेजोमय शंखधारी व्यक्तित्व अपने शंख को उत्तर दिशा की ओर मुँह करके ही क्यों फूँकना चाहता था ?

अथवा

इंटरनेट क्या है ? इसके तीन लाभ लिखिए।

17. श्रीकृष्ण ने सुदामा की दरिद्रता को किस प्रकार दूर किया ? समझाइए।

अथवा

श्रीकृष्ण से बिदा लेने के बाद सुदामा के मन में निराशा और क्षोभ के भाव क्यों उठे ? समझाइए।

18. छत्तीसगढ़ में स्थित किन्हीं चार प्रतिष्ठित देवी-मंदिरों के नाम स्थान सहित लिखिए।

अथवा

गाँधीजी के प्रमुख सिद्धान्त कौन-कौन से थे ? कोई चार सिद्धांत लिखिए।

19. गुरु घासीदास जी के कोई चार संदेश लिखिए।

अथवा

गुरु घासीदासजी के कोई चार कार्य लिखिए।

20. जयशंकर प्रसाद का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर लिखिए :

(i) कोई दो रचनाएँ (ii) साहित्यिक विशेषताएँ

(iii) भाषा-शैली (iv) साहित्य में स्थान

अथवा

महादेवी वर्मा का साहित्यिक परिचय निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर लिखिए :

(i) कोई दो रचनाएँ (ii) काव्यगत विशेषताएँ

(iii) भाषा-शैली (iv) साहित्य में स्थान

21. निम्नलिखित पद्यांश की संदर्भ-प्रसंग सहित व्याख्या कर काव्य सौंदर्य लिखिए :

क्षमामयी, तू दयामयी है, क्षेममयी है,
सुधामयी, वात्सल्यमयी, तू प्रेममयी है,
विभवशालिनी, विश्वपालिनी, दुखहर्ती है,
भयनिवारिणी, शांतिकारिणी, सुखकर्ती है,
हे शरणदायिनी, देवि तू करती सबका त्राण है।

अथवा

संदेसो देवकी सौं कहियो।
हौ तो धाय तिहारे सुत की, मया करत ही रहियो।।
उबटन तेल और तातो जल, देखत ही भजि जाते।
जोई-जोई माँगत सोइ-सोइ देती, क्रम-क्रम करि के न्हाते।।
तुम तो टेव जानतिहि है हौं, तऊ मोहि कहि आवै।
प्रात उठत मेरे लाल लडैते. माखन रोटी भावै।।

22. निम्नलिखित गद्यांश की संदर्भ-प्रसंग सहित व्याख्या कर साहित्यिक सौंदर्य लिखिए :

"संसार आसमान के छोरों तक फैला हुआ है। धरती का विस्तार क्षितिज के पार तक वैसा ही व्यापक है, जैसा आसमान। रत्नाकर का सौंदर्य उतना ही अमित है जितना वसुंधरा का और उनके मंथन से शहरों में समृद्धि भरी है परन्तु वह मेरे लिए क्यों नहीं है ? मैं पूछता हूँ। मुझमें कभी दानव की शक्ति थी, मेरे इस मानव की मज्जा में, मेरी इन शिराओं में, फौलाद के तारों की जकड़ थी, पर आज इतना निःसत्व मैं क्यों हूँ, इतना नगण्य और नंगा क्यों हूँ?"

अथवा

"फल की भावना से उत्पन्न आनंद भी साधक कर्मों की ओर हर्ष और तत्परता के साथ प्रवृत्त करता है। पर फल का लोभ जहाँ प्रधान रहता है वहाँ कर्म विषयक आनंद उसी फल की भावना की तीव्रता और मंदता पर अवलंबित रहता है। उद्योग के प्रवाह के बीच जब-जब फल की भावना मंद पड़ती है, उसकी आशा कुछ धुँधली पड़ जाती है, तब-तब आनंद की उमंग गिर जाती है और उसी के साथ उद्योग में भी शिथिलता आ जाती है।"

23. अपने पंचायत के सरपंच को एक पत्र लिखिए जिसमें ग्राम के समस्त घरों में शौचालय की व्यवस्था करने विषयक निवेदन हो।

अथवा

अपने मित्र को हाईस्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, प्रावीण्य श्रेणी में उत्तीर्ण करने पर एक बधाई-पत्र लिखिए।

24. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

"मानव के व्यक्तित्व का निर्माण करने वाले विभिन्न तत्वों में चरित्र का सबसे अधिक महत्व है। चरित्र एक ऐसी शक्ति है, जो मानव जीवन को सफल बनाती है। चरित्र की शक्ति ही मानव जीवन में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता उत्पन्न करती है। चरित्र, मनुष्य के कार्यकलाप और आचरण के समूह का नाम है। चरित्र रूपी शक्ति, विद्या, बुद्धि और संपत्ति की शक्ति से भी महान होती है। इतिहास इस बात का गवाह है कि कई चक्रवर्ती सम्राट धन, पद और विद्या के स्वामी थे, किन्तु चरित्र के अभाव में वे अस्तित्वहीन हो गए। तन-मन की पवित्रता, कर्तव्य की भावना, परोपकार और समाज की सेवा भी चारित्रिक गुणों में ही आती है। मानव-जीवन की सम्पूर्ण सफलता, यश और गौरव अर्जित करने के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक व्यक्ति अपने चरित्र को ऊँचा बनाए। व्यक्तियों का सामूहिक चरित्र राष्ट्रीय चरित्र के नाम से जाना जाता है।"

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(ii) व्यक्तित्व निर्माण का प्रमुख तत्व क्या है ?

(iii) चरित्र किसे कहते हैं ?

(iv) चरित्र की शक्ति मानव जीवन में किन गुणों को जन्म देती है ?

(v) चक्रवर्ती सम्राट किसके अभाव में अस्तित्वहीन हो गए ?

(vi) सफलता, यश और गौरव प्राप्त करने के लिए हमें क्या करना चाहिए ?

25. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए :

(i) विज्ञान के बढ़ते चरण (ii) विद्यार्थी जीवन में अनुशासन

(iii) स्वच्छता अभियान (iv) समय का सदुपयोग

(v) मेरा प्रिय खेल